PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

PMA RAJASTHAN, INDIA

फेज़ 2 पैनल सर्वे के परिणाम

सितंबर-दिसंबर 2021

FAMILY PLANNING

सम्पूर्ण मुख्य परिणाम:

पीएमए सर्वेक्षण के फेज़ 1 और फेज़ 2 को पूरा करने वाली महिलाओं में गर्भनिरोधकों उपयोग में वृद्धि हुई है और गर्भ निरोधकों के गैर-उपयोग में मामूली गिरावट आई है।

15-19 आयु वर्ग की 90% से अधिक महिलाओं, विवाहित या विवाहित के रूप में साथी के साथ रह रही महिलाओं, और जिन महिलाओं की कोई संतान नहीं है, ने गर्भनिरोधकों का गैर उपयोग जारी रखा।

जिन महिलाओं ने फेज़ 1 में भविष्य में परिवार नियोजन का उपयोग करने की इच्छा बताई थी, उनमें से आधे से अधिक (54%) ने फेज़ 2 सर्वेक्षण में एक विधि अपनाई।

खंड 1: समग्र गर्भनिरोधक डायनैमिक्स

गर्भनिरोधक उपयोग या गैर-उपयोग में परिवर्तन

15-49 आयु वर्ग की महिलाओं का प्रतिशत जिन्होंने पीएमए फेज़ 1 (अगस्त-अक्टूबर 2020) और पीएमए फेज़ 2 (सितंबर-दिसंबर 2021) के बीच गर्भनिरोधक उपयोग की अपनी स्थिति बदली (एन = 4,448)

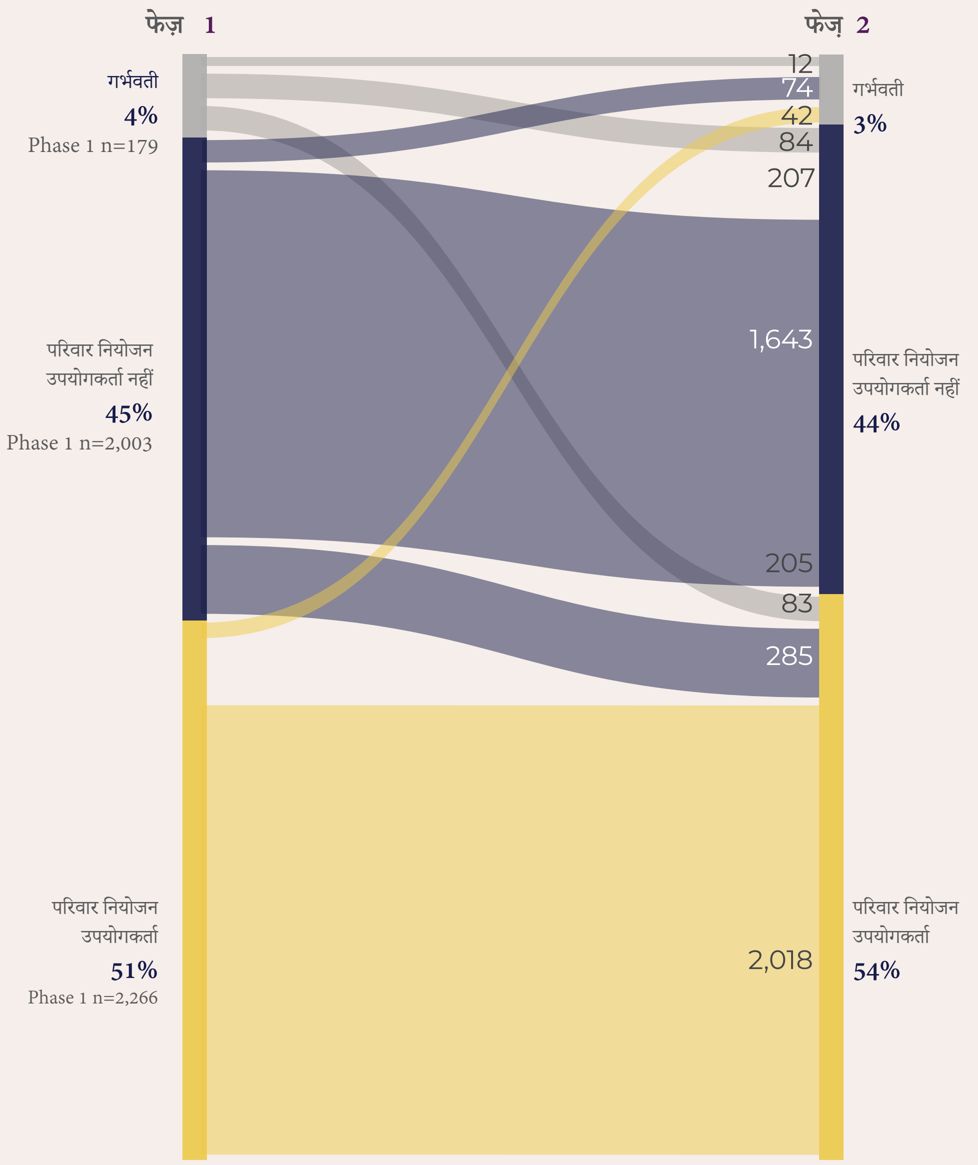

PMA INDIA PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION
IIHMR UNIVERSITY
JOHNS HOPKINS BLOOMBERG SCHOOL of PUBLIC HEALTH | Bill & Melinda Gates Institute for Population and Reproductive Health
jhpiego Saving lives. Improving health. Transforming futures.

विधि के आधार पर, गर्भनिरोधक के प्रकार में परिवर्तन

15-49 आयु वर्ग की महिलाओं का प्रतिशत जिन्होंने पीएमए फेज़ 1 (अगस्त-अक्टूबर 2020) और पीएमए फेज़ 2 (सितंबर-दिसंबर 2021) के मध्य गर्भनिरोधक विधि या उपयोग की स्थिति को बदला (n= 4,448)

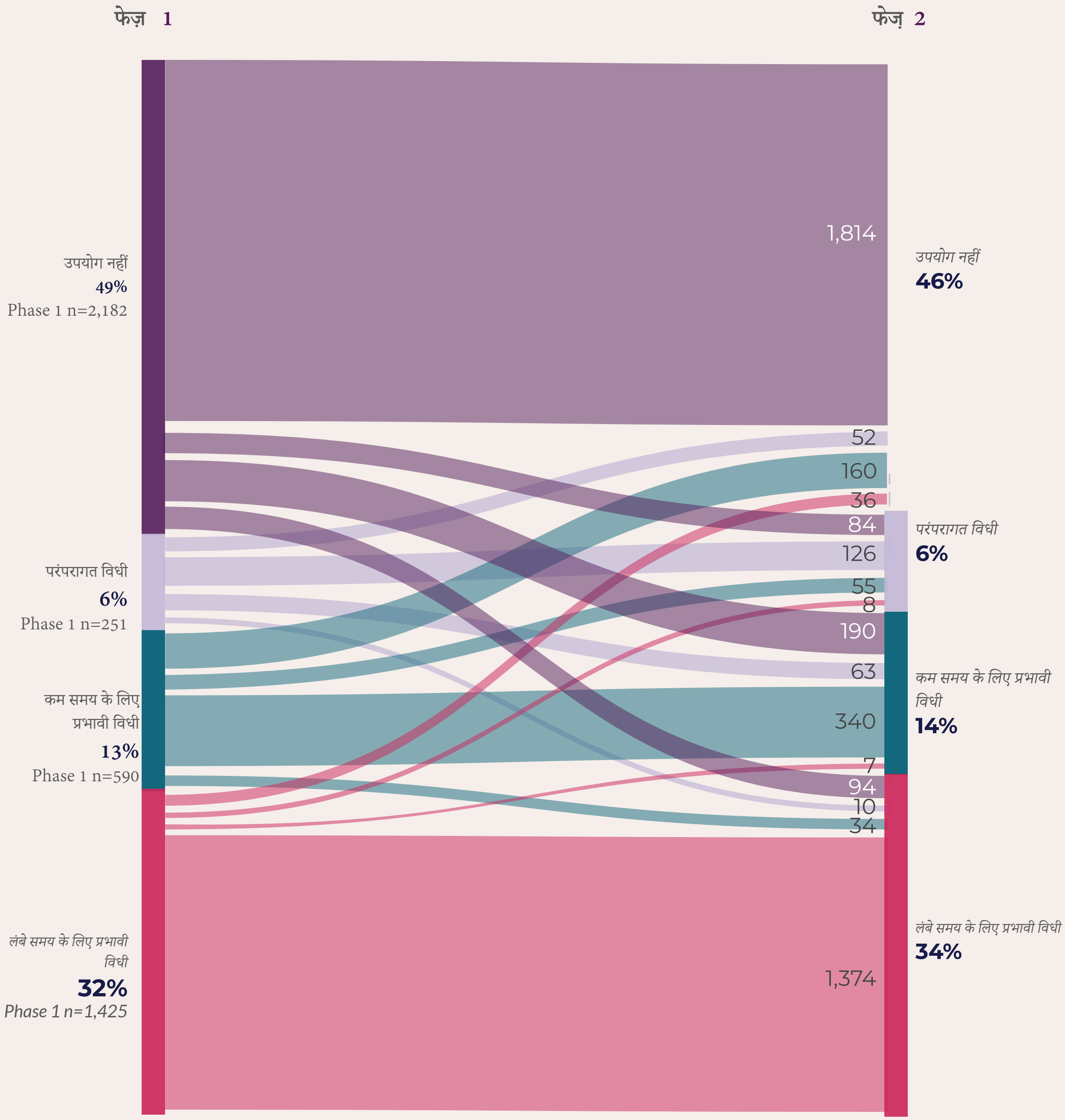

खंड 1के मुख्य परिणाम: समग्र गर्भनिरोधक डायनैमिक्स

- फेज़1 व 2 को पूरा करने वाली महिलाओं में, गर्भनिरोधकों के उपयोग में 3 प्रतिशत अंको की वृद्धि हुई, वहीं फेज़ 1 की गैर-उपयोगकर्ताओं में 1% की कमी हुई।

- फेज़1 व 2 को पूरा करने वाली महिलाओं में, गर्भनिरोधकों के उपयोग में 3 प्रतिशत अंक की वृद्धि आधुनिक गर्भनिरोधक विधियों के उपयोग के कारण हुई है, जिसमें लंबे समय तक चलने वाली गर्भनिरोधक विधियों के उपयोग में 2 प्रतिशत अंको की वृद्धि हुई है, और कम समय के लिए प्रभावी विधियों के उपयोग में 1 प्रतिशत अंको की वृद्धि हुई है।

खंड 2: गर्भनिरोधक डायनैमिक्स के प्रमुख संकेतक/मापक/उपाय

आयु के अनुसार, 15-49 आयु वर्ग की उन महिलाओं का प्रतिशत जो पीएमए फेज़ 1 (अगस्त-अक्टूबर 2020) और पीएमए फेज़ 2(सितंबर-दिसंबर 2021) के बीच निम्नलिखित में किसी गर्भनिरोधक विधियों के उपयोग से संबन्धित व्यवहार करती है

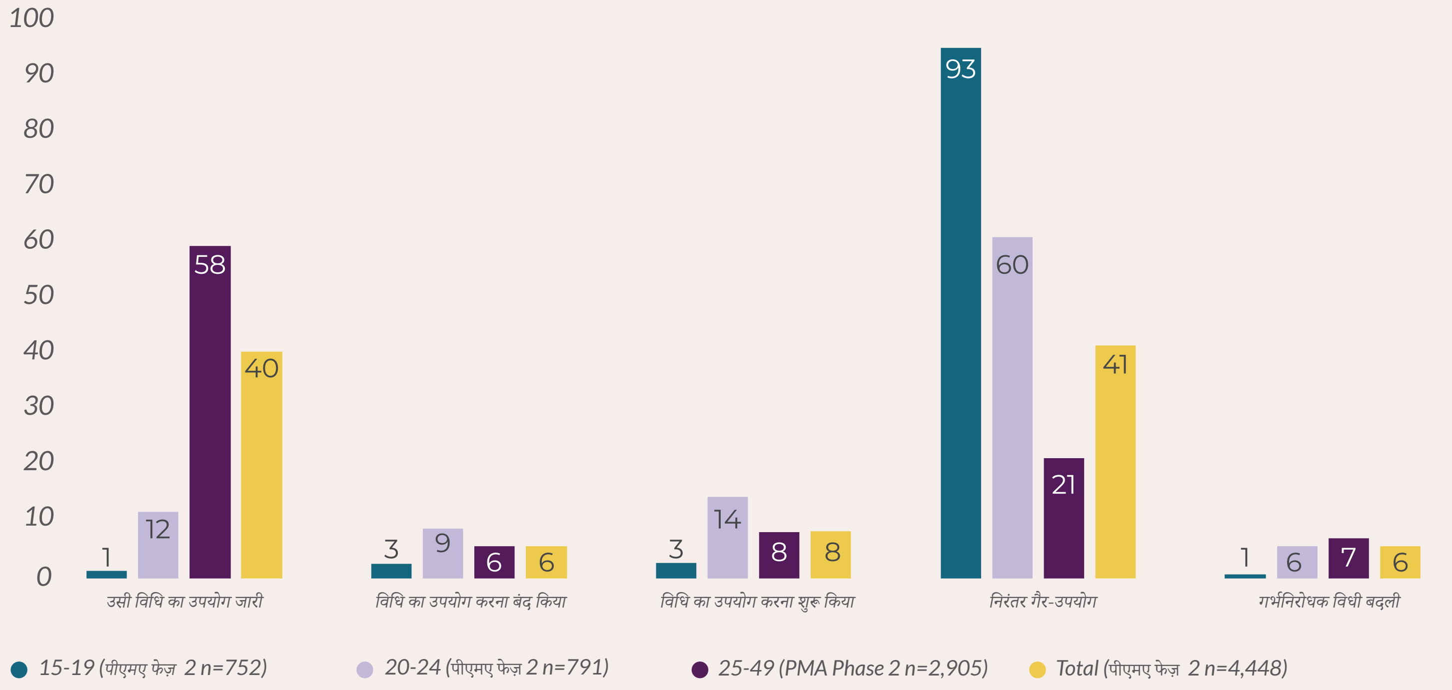

शिक्षा के स्तर के अनुसार, गर्भनिरोधक उपयोग में परिवर्तन

शिक्षा स्तर के अनुसार, 15-49 आयु वर्ग की उन महिलाओं का प्रतिशत जो पीएमए फेज़ 1 (अगस्त-अक्टूबर 2020) और पीएमए फेज़ 2(सितंबर-दिसंबर 2021) के बीच निम्नलिखित में किसी गर्भनिरोधक विधियों के उपयोग से संबन्धित व्यवहार करती है

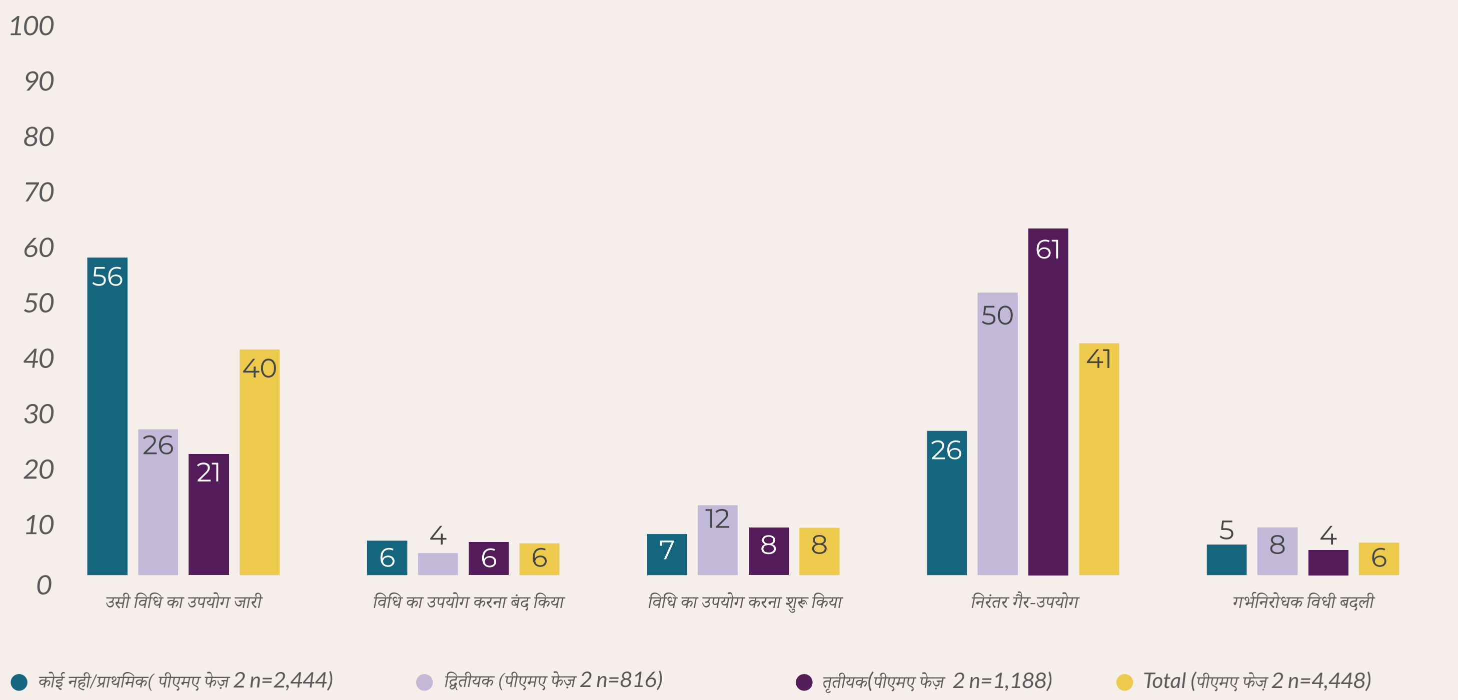

PMA INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

वैवाहिक स्थिती के अनुसार, गर्भनिरोधक उपयोग में परिवर्तन

वैवाहिक स्थिती के अनुसार, 15-49 आयु वर्ग की उन महिलाओं का प्रतिशत जो पीएमए फेज़ 1 (अगस्त-अक्टूबर 2020) और पीएमए फेज़ 2(सितंबर-दिसंबर 2021) के बीच निम्नलिखित में से किसी गर्भनिरोधक विधियों के उपयोग से संबन्धित वर्गीकरणों में शामिल हैं।

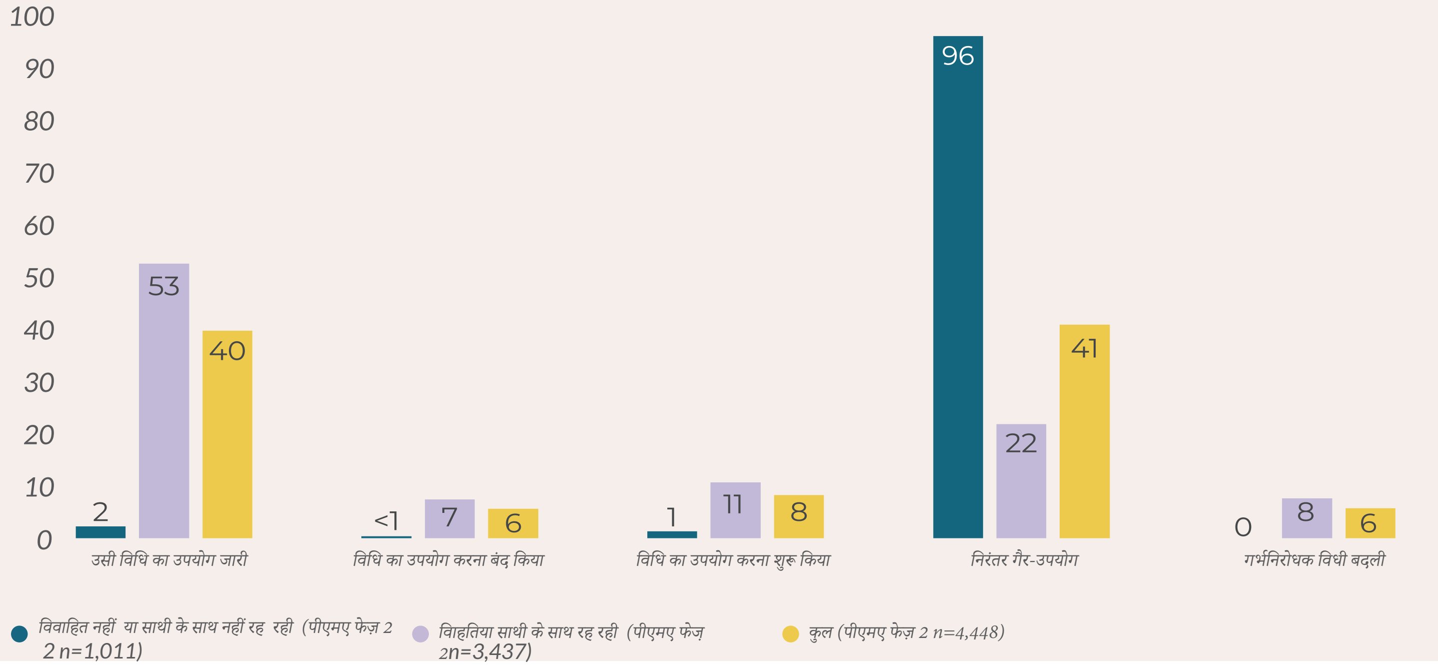

जीवित जन्मों की संख्या के आधार पर, गर्भनिरोधक उपयोग में बदलाव

जीवित जन्मों की संख्या के आधार पर 15-49 आयु वर्ग की उन महिलाओं का प्रतिशत जो पीएमए फेज़ 1 (अगस्त-अक्टूबर 2020) और पीएमए फेज़ 2 (सितंबर-दिसंबर 2021) के बीच निम्नलिखित में से किसी गर्भनिरोधक विधियों के उपयोग से संबन्धित वर्गीकरणों में शामिल हैं।

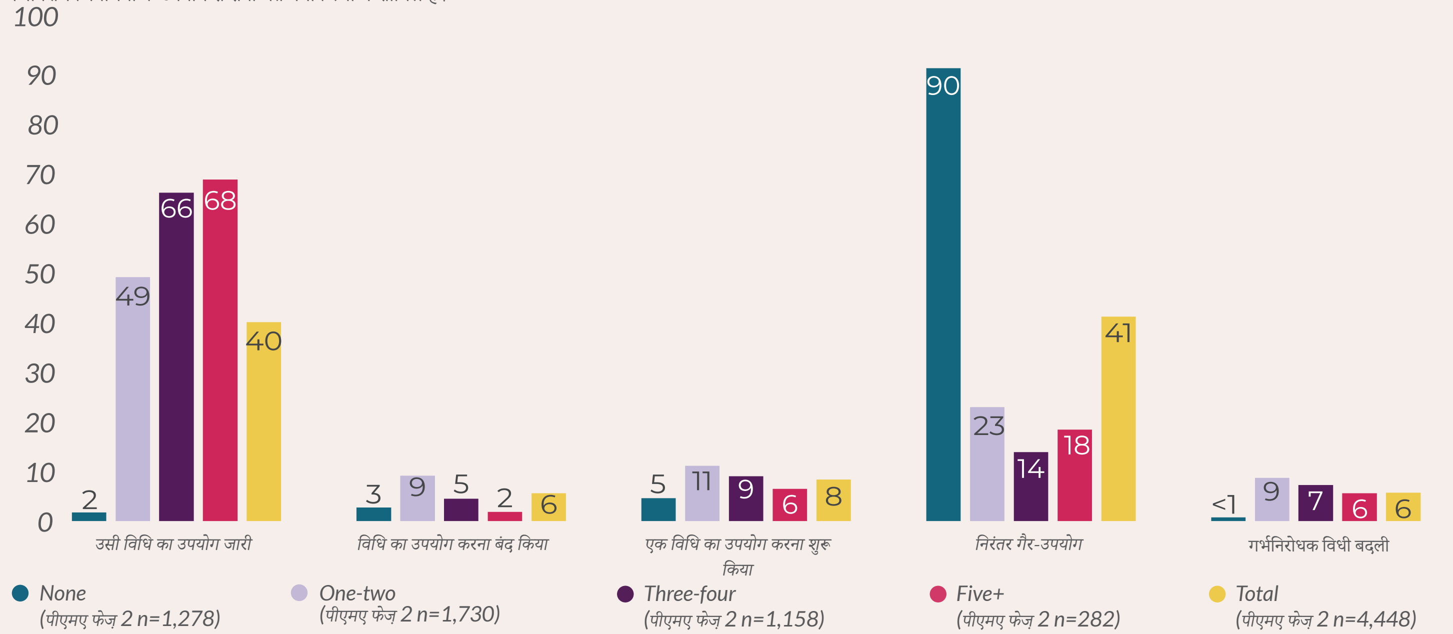

खंड 2 के मुख्य परिणाम: गर्भनिरोधक डायनैमिक्स के प्रमुख संकेतक

- *15-19 आयु वर्ग की 93% महिलाएँ अभी भी किसी विधि का उपयोग नहीं कर रही , जबकि 25-49 आयु वर्ग की 58% महिलाओं ने उसी विधि का उपयोग करना जारी रखा है जो वे फेज़1 में कर रही थीं।*

- *दो-तिहाई महिलाएं जिनके 3 या अधिक बच्चे हैं, ने उसी विधी का उपयोग करना जारी रखा जो वे फेज़1 में उपयोग कर रही थीं, वहीं उस समूह की पांच में से लगभग एक महिला फेज़ 2 में भी किसी विधि का उपयोग नही कर रही थी।*

PMA INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

खंड 3:अन्य पैनल डायनैमिक्स

विधि का उपयोग बंद करना

फेज़ 2 में अनमेट नीड़ वाली 15-49 आयु वर्ग की महिलाओं में, वह प्रतिशत जिसने गर्भनिरोधक विधि का उपयोग करना बंद कर दिया या दोनो फेज़ के बीच गर्भवती हो गई (n=378)

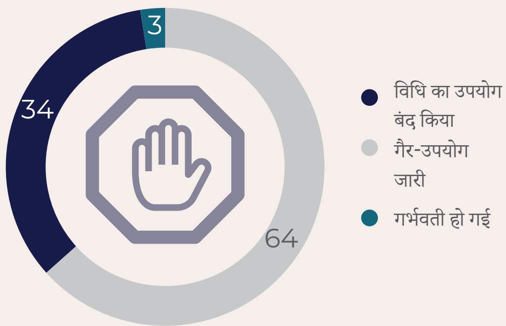

परिवार नियोजन के लिए पति/साथी का समर्थन

फेज़ 1 में पति/साथी के परिवार नियोजन के समर्थन के अनुसार, विवाहित या साथी के साथ रह रही 15-49 आयु की महिलाओं का प्रतिशत जो फेज़ 1 में परिवार नियोजन की विधि का उपयोग नहीं कर रही थीं और जिन्होंने परिवार नियोजन विधि को अपनाया। (n=1,046)

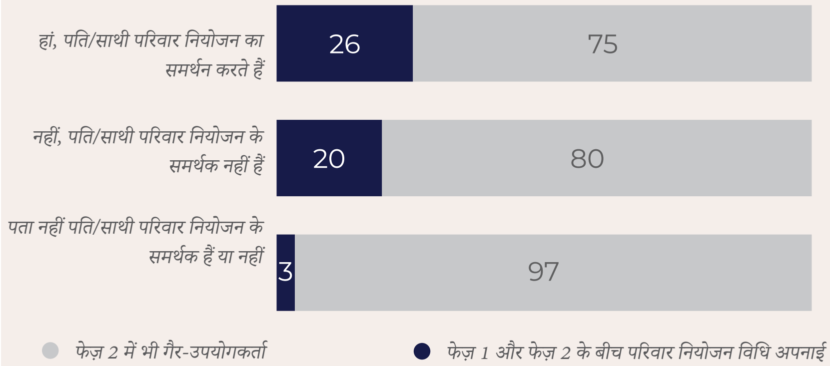

परिवार नियोजन का उपयोग करने का इरादा

फेज़ 1 में परिवार नियोजन का उपयोग करने के इरादे के अनुसार, 15-49 आयु वर्ग की महिलाओं का प्रतिशत जो पहले फेज़ में परिवार नियोजन विधि का उपयोग नहीं कर रही थीं और जिन्होंने परिवार नियोजन की विधि अपनाई (n=2,133)

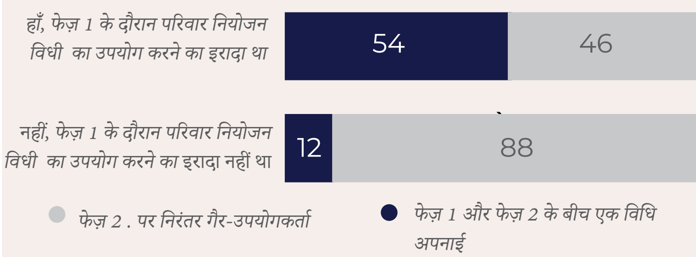

परिवार नियोजन की अनमेट नीड

फेज़ 1 की अनमेट नीड की स्थिति के अनुसार, 15-49 वर्ष आयु की उन महिलाओं का प्रतिशत जो फेज़ 1 में परिवार नियोजन विधि का उपयोग नहीं कर रही थीं और जिन्होंने परिवार नियोजन विधी को अपनाया। (n= 2,133)

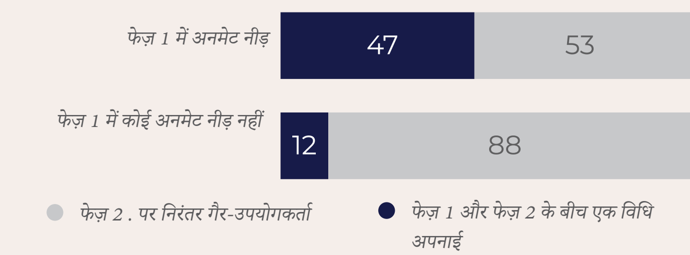

खंड 3 के मुख्य परिणाम: अन्य पैनल डायनैमिक्स

- *फेज़ 1 में जिन महिलाओं की गर्भनिरोधक की आवश्यकता पूरी नहीं हुई उनमें से लगभग आधी महिलाओं ने दो सर्वेक्षणों के अंतराल के बीच गर्भ निरोधक का उपयोग करना शुरू कर दिया।*
- *विवाहित या विवाहित के रूप में साथी के साथ रह रही 26% महिलाएं जो गर्भ निरोधक विधी का उपयोग नहीं कर रही थीं, लेकिन उनके पति/साथी फेज़ 1 में गर्भ निरोधक विधि के समर्थक थे, ने फेज़ 2 में एक विधि अपनाने की जानकारी दी।*

PMA शहरी, ग्रामीण और क्षेत्रीय स्तर के साथ बहु चरणीय स्तरीकृत क्लस्टर डिज़ाइन (समूह संरचना) का उपयोग कर चयनित किये गए 134 गणना क्षेत्रों में परिवार नियोजन की जानकारी, व्यवहार और कवरेज के बारे में सूचना एकत्रित करता है| परिणाम शहरी-ग्रामीण स्तर एवं क्षेत्रीय स्तर का प्रतिनिधित्व करते हैं| PMA फेज़ 2 में 15-49 आयु वर्ग की योग्य महिलाओं का पैनल सर्वेक्षण (सितंबर-दिसंबर 2021) 33 जिलों में आयोजित किया गया था, यह वही महिलाएं थीं जिनका अगस्त और अक्टूबर 2020 के बीच फेज़ 1 में सर्वेक्षण किया गया था जिन्होने फॉलो-अप के लिए सहमति (92.7% फेज़ 1 जनसंख्या) दी थी। 5,071 योग्य उत्तरदाताओं में से, 8.9% के साथ फॉलो अप नही किया गया जिनसे संपर्क किया गया उन महिलाओं में से 4,544 (89.6%) ने सर्वेक्षण पूरा किया, इनकी प्रतिकृया दर 98.4% थी| सैंपल जानकारी और सम्पूर्ण डाटा सेट्स के बारे में जानकारी के लिए www.pmadata.org/countries/india पर जाएं |

इस संक्षिप्त में प्रस्तुत प्रतिशत को पूर्णांकित किया गया है और संभव है की कुछ स्थानों पर इसका जोड़ 100% ना हो।

PMA अफ्रीका और एशिया में मुख्य रूप से परिवार नियोजन और स्वास्थ्य संकेतकों की निगरानी के लिए स्थानीय महिला गणनाकर्ता और मोबाइल तकनीक का उपयोग करता है | PMA इंडिया इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च (IIHMR) के नेतृत्व में संचालित है | सभी प्रकार के निर्देश और सहयोग जोहन्स होपकिंस यूनिवर्सिटी में स्थित बिल एंड मेलिंडा गेट्स इंस्टिट्यूट फॉर पापुलेशन एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ और जपाईगो द्वारा प्रदान किए जाते है | वित्तीय सहायता बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा प्रदान की गई है |

PMA | INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION